

सूदाकरण

जल तथा वायु के प्रभावों के सूदा की उपरी परत छट छट कर बह जाती है। जिससे सूदा अपरदन होता जाता है। अपरदन के सभी रूपों को सूदा का अपरदन होता है। अपरदन के इन विभिन्न परिस्थितियों या स्थूल सूदा जीवाणु और प्रादेशिक की विस्थापन करता है। फलतः मिट्टी का अपरदन और आसान होता जाता है। और जल्द ही D या R परत (संस्कृत) दिखाई देने लगता है। अर्थात् नग्न चट्टान दृष्टिगोचर होता है।

अतः स्पष्ट है कि ऐसे प्रदेशों में उर्वराशक्ति का ह्रास एवं बेजल सूम का विकास होता है। जैविक उर्वरता असंतुलित हो जाती है। और फलतः सूमकरण असंतुलित हो जाता है यह सभी पारिस्थितिक असंतुलन का एक अंग है। सूदाकरण सूम सूदाकरण सूमिगत जल स्तर का ह्रास होता है जिसके कारण वनस्पति और अन्य जीव जन्म की प्रभावित होते हैं। भारत के ICAR के अनुसार (Indic Council Ag. Research) के अनुसार भारत के 60% मिट्टी इस समस्या से ग्रसित है। राष्ट्रीय परती सूम विकास बोर्ड के अनुसार

मध्य भारत का 173 मिलियन हेक्टेयर अंग्रेजी
इस समस्या से ग्रसित है जो. जगज्जल के अनुसार
150 मिलियन हेक्टेयर अंग्रेजी इस समस्या से ग्रसित है।

रसेल के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष

1/8 cm मिट्टी का लटाव होता है। जबकि जातक
है कि 1 cm मिट्टी के निर्माण में 500 वर्ष लगता है।
इस प्रकार मिट्टी कारण भारत के विश्व जमीन
समस्या है। मुदा

मुदा अपरदन भारतीय क्षेत्रों में अलग x 2

प्रकार से अलग हुआ है जैसे -

1. अंत Sheet Erosion (चादरी अपरदन - यह समस्या
अकार्षमल वर्षा

के कारण मुख्यतः क्षेत्र तथा बालुका वनिय अंग्रेजी में
होता है। राजस्थान के अलग: प्रवाह क्षेत्र तथा लोही-नुमाही
वाला क्षेत्र, अथवा गुम हॉफि के क्षेत्र में इस प्रकार का
अपरदन होता है। यह रसायनिक तटुत्तरण की ही
क्रिया है जो सदैव भूगर्भिक चट्टानों में देखा जाता है।
गुम हॉफि के कारण क्षेत्रों में चादरी अपरदन की
क्रिया होती है यह समस्या मुख्य रूप से असम
तथा दौलनागपुर क्षेत्र है जहाँ जनजातियाँ निवास
करती हैं।

2. सिंक रिल & कूलिंग (अवनालिका अपरदन) - यह

वेस कालों में होता है जहाँ 'V' आकार की धाती का विकास नहीं होता है। सस कालों में तीव्र बाल परबल वाली नदियाँ एवं बाली बाली सरिताओं द्वारा मिट्टी का तीव्र अपरदन होता है। जिससे अणुलियुता आधुनिक

निर्माण होता है यह समस्या चंबल बलया और कनक नदी नदियों द्वारा लिया गया है। इन नदियों के धाती के विकास नहीं होने के कारण ही संपूर्ण प्रदेश

में एक विहड स्थलाकृति का निर्माण होता है। इन विहड क्षेत्र की लम्बाई 112 km और चौड़ाई 96

km है। यह M.P के मिहड तथा गुरेना की जिलों में तथा ज्वालियर में मुख्य रूप से हुआ है। लेकिन

सिहीटपुट रूप में विकसित होता हुआ आरसी और ज्वालियर क्षेत्र में हुआ है।

~~Note~~ 361 लाख ^{हैक्टर} अमि संपूर्ण भारत में इसी कारण

आन उपर्वर हो गई है।

3. वायु अपरदन - यह मुख्य रूप से मरुस्थलिय एवं

अर्धमरुस्थलिय तथा मैदानी भारत की समस्या है। मरुस्थलिय क्षेत्रों में प्रभावशाली वायु मिट्टी के नदिय कण, नदी एवं स्थूयस का उड़ा ले जाता

है।

मैदानी भारत में पशुओं की चराई के कारण

धास जड से उत्पन्न जाता है जिसके कारण मिट्टी कमजोर हो जाती है पुनः लुप्त होकर अर्धजैविक लुप्त हो जाती है। इसमें वायु अपरदन का मुख्य कारण बन जाता है। इसमें लुप्त होकर खेतों को जल को दौड़ देता है जिससे मानव को पूर्व वर्षा इस मुद्दा को बहाल किया है।

4. पर्वतीय इलाके पर ट्रांस ~~ह्यूमस~~ Humus द्वारा आपने गेहूं एवं बलरियाओं के साथ गार्म के दिनों में उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में जाने से मुद्दा अपरदन की समस्या उत्पन्न होती है क्योंकि गेहूं एवं बलरियाओं पर्वतीय इलाकों पर कसब वनस्पतियों को जड़ के उत्पाद देती है जिससे मिट्टी का बंधन बंधन खुल जाता है और यह कमजोर मिट्टी वर्षा होने पर जल के साथ स्थानांतरित हो जाती है। यह समस्या मुख्य रूप से हिमालय प्रदेश के गढ़ी जनजाति का तथा उ.प्र. के गुज्जर जनजातियों द्वारा उत्पन्न की जाती है।

5. फसल चक्र - के पालन नहीं किए जाने के कारण भी तथा रसायनिक खाद एवं सी. सिंचाई के अत्यधिक उपयोग होने से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति में कमी आती है। भारत की जिन क्षेत्रों में नहरों सिंचाई हुए हैं वे

सभी प्रथम हरित क्रांति के केंद्रों में जैसे पंजाब और
हरियाणा और पश्चिमी U.P. में हैं। इन केंद्रों में
मिट्टी के फलों में आम की माला आदि का पाई जाती
है जिससे मिट्टी अनउर्वर हो जाता है। और यही
कारण ऐसे केंद्रों में अत्यधिक तीव्र जल से होता है।

6. नदियों के मार्ग बदलने के कारण — पूर्वी भारत
हजारों हेक्टेयर

मिट्टी का कटाव हो रहा है जो नदियाँ पूर्व से पश्चिम
की ओर धीरे धीरे बहना कर रही हैं विश्व
के सर्वाधिक मार्ग परिवर्तित करने वाली नदी कोसी
है जिसने पिछले 200 वर्षों में पूर्णिया से सहायिया
पहुँच चुकी है। इसी प्रकार गंडक नदीय मिट्टी

अपरदन के लिए विश्व प्रसिद्ध है।